Q:- सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) क्या है? PPP के क्षेत्र में भारत की चुनौतियाँ क्या हैं? PPP के बारे में सरकार की वर्तमान नीति क्या है?

→ **सार्वजनिक निजी भागीदारी**

PPP एक प्रकार का अनुबंध है जिसे सरकार एवं निजी क्षेत्र के द्वारा किया जाता है। इसमें सरकार को पूंजी निवेश, तकनीक एवं कुशल प्रबंधन निजी क्षेत्र से मिल जाता है वहीं निजी क्षेत्र को भी आर्थिक लाभ होता है। साथ ही साथ आम जनता भी इससे लाभान्वित होते हैं।

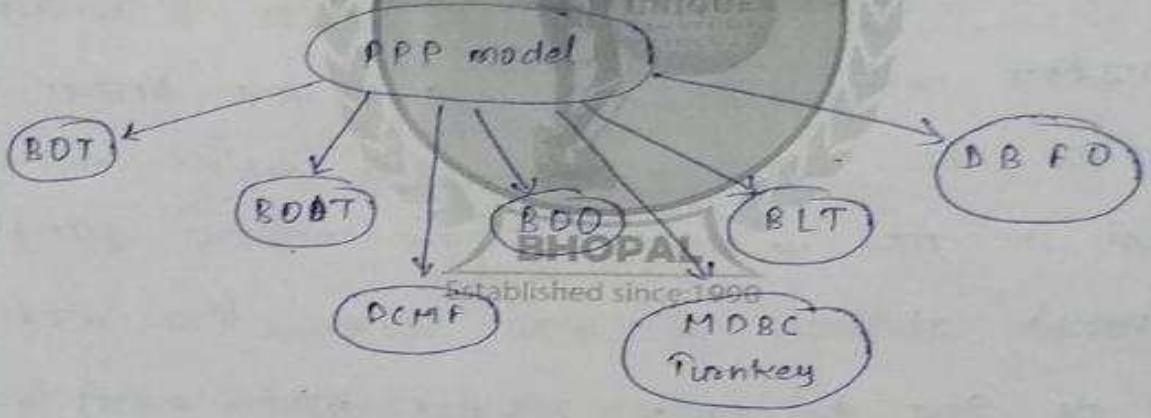

इस प्रकार PPP मॉडल को कई भागों में बांटा गया है जिसमें सामान्यतः निजी उद्यमी किसी कार्य को पूरा करते हैं इससे अपना लागत वसूल करते हैं एवं फिर सरकार या एजेंसी को सौंप देते हैं।

PPP की चुनौतियाँ

PPP मॉडल में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिनमें -

→ भारत जैसे विकासशील देश की धीमी प्रक्रिया

→ नौकरशाही का दखल रहेगा।
→ PPP का कुछ ही क्षेत्रों तक सीमित रहना।
→ सरकारों के बदलने की स्थिति में इसमें विपरीत प्रभाव पड़ना।
→ किसी विवाद के हल करने के लिए तीव्र एवं द्रुतगामी न्यायालय / प्राधिकरण का न होना।

इन सभी कारणों से PPP मॉडल में उद्यमी निवेश करने से बचते हैं। कई जगह तो उद्यमी निवेश करने में कोई जिज्ञासा ही नहीं दिखाते। वहीं कई जगहों पर उद्यमी खुद निर्माण कर उसका संचालन करते हैं। PPP

PPP मुख्यतः नेटवर्क होता है जिससे पिछड़े हुए जगहों को उन्नति मिलने में विलम्ब होती है। उदाहरणतः महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली आदि जैसे बड़े शहरों में उद्यमी निवेश को इच्छुक हैं परंतु पिछड़े जगहों पर निवेश नहीं करते।

PPP में सरकार की वर्तमान नीति

PPP को ज्यादा मजबूत बनाने हेतु सरकार कई तरह के कदम उठा रही है। जिसमें सरकार विवादों को निपटाने हेतु त्वरित गति क्रियाविधि का प्रस्ताव पारित करने को तत्पर है। इसके अलावा निवेश का भौगोलिक अवस्थिति, जन भागीदारी पर विशेष बल दिया जा रहा है।

BHOPAL Established since:1990

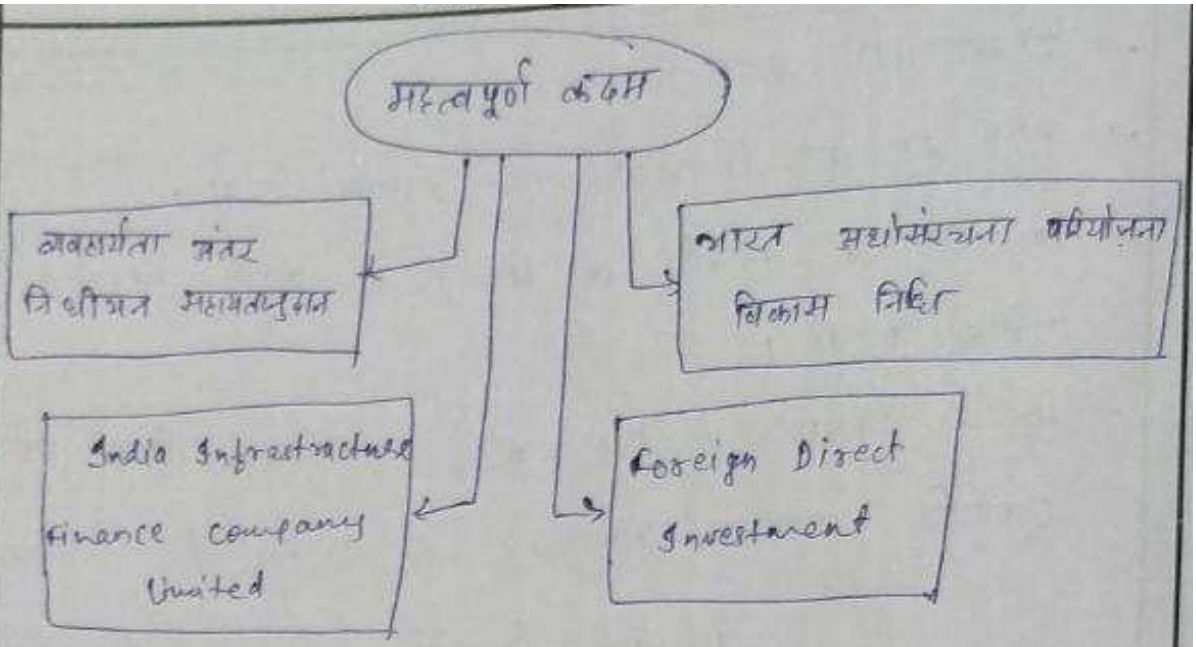

इस तरह भारत सरकार इस मॉडल में ऋण उपलब्ध कराने, सहायता राशि देने तथा विदेशी प्रत्यक्ष पूँजी निवेश लाने में बल दे रही है।

निष्कर्ष

PPP मॉडल से भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी लाभ पहुँचता है जिससे सरकार के खजाने का महत्वपूर्ण हिस्सा खर्च होने से बचता है वह हिस्सा देश की अन्य जरूरतों को पूरा करने में उपयोग होता है। इससे लोगों को रोजगार मिलता है एवं आमजनता भी देश के विकास में हिस्सा लेते हैं। देश का fiscal deficit में भी कमी होती है। और GDP ग्रोथ रेट बढ़ता है।

Excellent

UNIQUE
BHOPAL